

ब्रज गलियन में | By Devi Sangeeta Kishori

राधे राधे.....राधे राधे
राधे राधे.....राधे राधे

राधे नाम के कोई पीला दे मुझे मस्ती के प्याले
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

ब्रज में मैं तो कुटिया बनाऊंगी
यमुना नहा के मैं तो पावन हो जाऊंगी
संतो के पद रज मस्तक लगाऊंगी
उनके संग मैं तो राधे गुण गाऊंगी
रंग जाऊंगी मैं तो राधे के ही रंग में
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

राधे राधे.....राधे राधे
राधे राधे.....राधे राधे

पलकों पे राधे को मैं तो बैठाऊंगी
फूलों से श्यामा को सुन्दर सजाऊंगी
उनको जो भाये वही भोग मैं लगाऊंगी
नित लाइली को मैं तो लाड लड़ाऊंगी
बन जाऊंगी उनके कुंजन की दासी मैं
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

कृपा बरसाने वाली, बरसाने वाली
इनके दीवाने मोरे बाँके बिहारी
बिन मांगे सब देने वाली
कभी तो सुध लेगी राधे हमारी
ये ही सोच के मैं आई हूँ राधे के चरणन में
मैं झुमू ब्रज गलियन में.....4

राधे राधे.....राधे राधे
राधे राधे.....राधे राधे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%9c-%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-devi-sangeeta-kishori/>